देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 350 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
लोकतंत्र का आधार

देहरादून, बुधवार, 18 मार्च 2026

पेज श्री

मौसम अधिकतम 29.0⁰ न्यूनतम 18.0⁰

82924.41

2 दुबई और दोहा में धमाके

7 लगा कि टीम में मेरा समय पूरा हो गया

देश में गैस–तेल की कोई किल्लत नहीं

सरकार की एलपीजी प्रयोग में किफायत बरतने की अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में हालिया घटनाक्रमों के कारण वैश्विक आपूर्ति शृंखला में पैदा हुई चिंताओं के बीच, भारत के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ऊर्जा सुरक्षा पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि वर्तमान में देश के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

सरकार ने देश में आम लोगों से एलपीजी के मसले पर अफवाहों से बचने की अपील की है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने देश के लोगों से अपील करते हुए कहा, ष्घबराएं नहीं और पैनिक न करें। बुकिंग के बाद उनके घर पर ही मिलेगा सिलिंडर की डिलिवरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने लोगों से कहा कि वे एलपीजी के इस्तेमाल में किफायत बरतने की कोशिश करें और संभव तो हो पीएनजी का इस्तेमाल शुरू करें।

पश्चिम एशिया में चल रहे भू–राजनीतिक संघर्ष के बीच भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति शृंखला, नागरिकों की सुरक्षा और बाजार स्थिरता को लेकर कड़े कदम उठाए हैं। एक तरफ जहां विदेश मंत्रालय वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रहा है, वहीं पेट्रोलियम और शिपिंग मंत्रालयों ने घरेलू स्तर पर ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स के सुचारू संचालन का भरोसा दिया है। आपूर्ति को बाधित करने वाले तत्वों पर भी देशव्यापी कार्रवाई तेज कर दी गई है।

ऊर्जा आपूर्ति और कूटनीतिक पहल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। प्राकृतिक गैस की खपत को लेकर उन्होंने बताया कि सरकार के प्रयासों के तहत कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं का पीएनजी में शिफ्ट होना अधिक फायदेमंद होगा।

एलपीजी जमाखोरों पर देशव्यापी कार्रवाई बाजार में ईंधन की कृत्रिम कमी रोकने को सरकार ने कार्रवाई तेज कर दी है। सुजाता शर्मा के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापेमारी की गई हैं, जिनमें 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

ब्रिक्स के रुख पर क्या कहा?

रणधीर जायसवाल ने कहा, ब्रिक्स की अध्यक्षता हमारे पास है। ब्रिक्स आपसी सहमति के आधार पर काम करता है। जैसा कि आप जानते हैं, इस समय चल रहे संघर्ष में ब्रिक्स के कई सदस्य शामिल हैं। इसी वजह से देशों के बीच अलग–अलग रुख को एक साथ लाना मुश्किल हो रहा है। लेकिन हम सभी पक्षों के साथ लगातार जुड़े हुए हैं और बातचीत कर रहे हैं।

भारतीय जहाजों को वापस लाना लक्ष्यः एमईए

एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ईरान और अन्य देशों के साथ हमारी बातचीत जारी है। जैसा कि हमारे विशेष सचिव ने बताया, कई जहाज अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में मौजूद हैं। हमारा इरादा ईरान और अन्य देशों के साथ मिलकर इन जहाजों को सुरक्षित वापस लाना है। यही हमारा उद्देश्य है और इस मुद्दे पर बातचीत जारी है। मानवीय सहायता के संबंध में भी हम ईरान के साथ कई मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोप के अपने समकक्षों के साथ वैश्विक चुनौतियों, खासकर पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चर्चा की।

जहाजरानी मंत्रालय ने क्या बताया?

शिपिंग ऑपरेशंस और नाविकों की सुरक्षित वापसी आपूर्ति शृंखला और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर शिपिंग मंत्रालय के राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक और जहाज पूरी तरह सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में दूतावासों के समन्वय से 161 भारतीय नाविकों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया है। ऊर्जा आयात के मोर्चे पर, दूसरा एलपीजी कैरियर नंदा देवी मंगलवार तड़के 2:30 बजे कांडला पहुंच गया है। शशिवालिकश व शनंदा देवीश दोनों जहाजों से कार्गो डिस्चार्ज किया जा रहा है और बंदरगाह पर कार्गो संचालन को सुव्यवस्थित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ममता बनर्जी भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी, नंदीग्राम से नही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए टीएमसी ने भी मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट स्थित आवास से दोपहर में राज्य की कुल 294 में से 291 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों में से पिछली बार की ही तरह तीन सीटें दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र की सहयोगी पार्टी (जीटीए प्रमुख अनित थापा) के लिए छोड़ी गई है, इसलिए उन पर टीएमसी ने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं।

जेडीयू से अलग हुए पूर्व राज्यसभा सांसद केसी त्यागी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद केसी त्यागी ने पार्टी छोड़ने का एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस बार उन्होंने पार्टी की सदस्यता नवीनीकरण नहीं कराया और अब वह आगे की राजनीतिक दिशा जल्द तय करेंगे।

ईरान कभी पीछे नहीं हटेगा, पूरी ताकत से जवाब देगा

मोजतबा खामेनेई ने सीजफायर प्रस्तावों को सिरे से खारिज किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। तेहरान। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इजरायल के साथ तनाव कम करने या युद्धविराम के प्रस्तावों को खारिज करते हुए दो टूक कहा है कि दोनों देशों यानी अमेरिका और इजरायल को हराना जरूरी है। यह बयान ऐसे समय आया है जब मध्य–पूर्व में जारी संघर्ष लगातार और गंभीर होता जा रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, दो मध्यस्थ देशों द्वारा ईरान को तनाव कम करने के प्रस्ताव दिए गए थे, लेकिन मोजतबा खामेनेई ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि यह "शांति का समय नहीं" बल्कि जंग तेज करने और दुश्मनों को जवाब देने का समय है।

सूत्रों के मुताबिक, खामेनेई ने अपने पहले उच्च–स्तरीय सुरक्षा सत्र में अमेरिका और इजरायल के खिलाफ कड़े प्रतिशोध की बात कही है। इस बीच इजरायल ने दावा किया है कि उसने ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की अर्धसैनिक इकाई 'बसीज' के प्रमुख जनरल गुलाम रजा सुलेमानी को एक हवाई हमले में मार गिराया है। इसके साथ ही इजरायल ने ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लीजरानी को भी मारने का दावा किया है। हालांकि उनकी स्थिति को लेकर अलग–अलग रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, दूसरी तरफ ईरान ने इजरायल और अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमले तेज कर दिए हैं और खाड़ी क्षेत्र में कई ठिकानों को निशाना बनाया है। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा में एक तेल सुविधा पर हमला भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह संघर्ष अब केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र की ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता पर असर डाल रहा है।

हाल के हफ्तों में ईरान के कई शीर्ष नेताओं को निशाना बनाया गया है, जिससे उसके नेतृत्व ढांचे को झटका लगा है। इसके बावजूद तेहरान का रुख और अधिक सख्त होता दिख रहा है।

लारिजानी की मौत

इस बीच इजरायल ने दावा किया है कि उसने ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारिजानी को एक हमले में मार गिराया है। इसके अलावा, बसीज फोर्स के प्रमुख जनरल घोलाम रेजा सुलेमानी के मारे जाने का भी दावा किया गया है। हालांकि ईरान ने इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पाकिस्तान इस्लामोफोबिया की मनगढ़ंत कहानियां गढ़ने में माहिर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर जमकर लताड़ लगाई, साथ ही उसके प्रोपेगैंडा की पोल खोलकर रख दी है। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथानेनी हरीश ने कहा, नई दिल्ली का पश्चिमी पड़ोसी अपनी धार्मिक पहचान को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है और अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों का इस्तेमाल कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में पी हरीश ने कहा कि भारत का पड़ोसी देश अपने आसपास के इलाकों में इस्लामोफोबिया की मनगढ़ंत कहानियां गढ़ने में माहिर है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, उस देश में अहमदिया समुदाय के खिलाफ किए जा रहे क्रूर दमन को क्या कहा जाएगा? या फिर अफगानों को जबरन वापस भेजने को क्या कहा जाएगा? साथ ही रमजान के पवित्र महीने में अफगानों पर किए गए हवाई हमलों को क्या नाम दिया जाएगा?

भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने स्पष्ट किया कि भारत हर तरह के धार्मिक भेदभाव के खिलाफ है और एक समावेशी दुनिया का समर्थन करता है।

पी हरीश ने कहा, भारत धर्म के नाम पर हिंसा और घृणा की निंदा करता है, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म की जन्मभूमि है। अन्य किसी भी देश की तुलना में हम धार्मिक भेदभाव से मुक्त विश्व की आवश्यकता से भलीभांति परिचित हैं।

लताड़

■पाकिस्तान को यूएन में भारत ने लगाई लताड़

अफगानिस्तान के साथ भारत

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, इस दुखद घड़ी में अफगानिस्तान की जनता के साथ एकजुटता से खड़ा है। हम अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपने अटूट समर्थन को भी दोहराते हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

बच्चे को गोद लेने वाली मां भी मैटरनिटी लीव की हकदार

■सुप्रीम कोर्ट ने मैटरनिटी लीव पर दिया बड़ा फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसले में कहा कि गोद लिए गए बच्चे की उम्र 3 महीने से अधिक होने पर मैटरनिटी लीव से इनकार नहीं किया जा सकता। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि बच्चा गोद लेने पर भी 12 हफ्ते की मैटरनिटी लीव मिलनी चाहिए।

अदालत ने यह भी माना कि ऐसी व्यवस्था, जिसके तहत तीन महीने से अधिक आयु के बच्चे को गोद लेने वाली महिलाओं को मातृत्व लाभ नहीं दिया जाता, असंवैधानिक है। बच्चे की उम्र चाहे जितनी हो मैटरनिटी लीव मिलनी चाहिए।

दरअसल, मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 की धारा 5(4) के अनुसार, केवल उन्हीं गोद लेने वाली माताओं को मातृत्व अवकाश मिलता था, जो तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती हैं। इससे बड़ी उम्र के बच्चों को गोद लेने वाली माताएं इस लाभ से वंचित रह जाती थीं। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गोद लिए बच्चे की उम्र चाहे जो भी हो, मां को पूरे 12 हफ्ते की छुट्टी दी जाएगी। परिवार को केवल जैविक संबंधों से परिभाषित नहीं किया जा सकता है।

न्यूज डायरी

परमाणु युद्ध शुरू होता और तीसरे वर्ल्ड वॉर में बदल जाता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद युद्ध बढ़ता जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से दुनिया में एनर्जी सप्लाई भी प्रभावित है। वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध छेड़ने के फैसले का बचाव किया है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर हमला ना करने का नतीजा भविष्य में तीसरे विश्व युद्ध या परमाणु हमले के तौर पर निकल सकता था। ट्रंप को कथित तौर पर ईरान के खाड़ी देशों में जवाबी हमले और होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बारे में पहले ही बताया था। इसके बाद भी उन्होंने ईरान युद्ध में जाने का फैसला किया। डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी को इजरायल के साथ मिलकर हवाई हमले शुरू करने के फैसले का बचाव करते हुए तर्क दिया कि इसके आर्थिक परिणाम भविष्य के बुरे नतीजों को देखते हुए मामूली हैं। युद्ध के बाजार पर प्रभाव को उन्होंने इसकी एक बहुत छोटी कीमत बताया है। ट्रंप ने कहा कि शेयर बाजार को गिरने से रोकने के लिए उन्हें परमाणु हमला करने का मौका नहीं दिया जा सकता था। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। भविष्य के व्यापक संघर्ष को रोकने के लिए यह युद्ध जरूरी हो गया था। ट्रंप ने ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम के खतरे की ओर इशारा करते हुए कहा, अगर हमने ईरान पर हमला नहीं किया होता तो भविष्य में एक परमाणु युद्ध छिड़ जाता। ये लड़ाई बढ़कर तीसरे विश्व युद्ध में बदल जाती। ऐसे में ईरान को कमजोर करने के लिए हमले किए गए।

मिसाइल अलर्ट के बाद दुबई और दोहा में धमाके, ओमान के पास टकराया टैंकर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच का संघर्ष हाल के वर्षों में मिडिल ईस्ट के सबसे ज्यादा संकटों में से एक बन गया है, जिसमें इस क्षेत्र के कई देशों में मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की खबरें सामने आई हैं। इस बीच दुबई और दोहा में मिसाइल अलर्ट के बाद धमाकों की आवाजें सुनी गईं। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश के पूर्वी हिस्से में ड्रोन को रोककर नष्ट कर दिया गया। इससे पहले मंत्रालय ने बताया था कि उनके देश के इसी क्षेत्र में सऊदी सेनाओं द्वारा छह ड्रोन भी इस्तेमाल किए गए थे, जिन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। बगदाद एयरपोर्ट के पास एक अमेरिकी राजनयिक केंद्र को निशाना बनाकर रॉकेट हमलों की एक और लहर की खबर मिली है। सुरक्षा सूत्रों ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि इस ताजा हमलों के बाद इलाके में सायरन बजने की आवाजें सुनी गईं। इससे पहले, बगदाद में अमेरिकी दूतावास को भी रॉकेटों और कई ड्रोन से निशाना बनाए जाने की खबर थी। मंगलवार तड़के यूएई के पूर्वी तट पर लंगर डाले एक टैंकर पर एक मिसाइल से हमला हुआ। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह जहाज फुजैरा के पास ओमान की खाड़ी में मौजूद था। टैंकर को मामूली नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। ईरान के साथ संघर्ष शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र में लगभग 20 जहाजों पर हमलों की खबर है। ईरान के हमलों ने होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले यातायात को काफी हद तक बाधित कर दिया है।

पाकिस्तान से 400 मौतों का बंदूक से लेंगे बदला, गुस्से में तालिबान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। पाकिस्तान के काबुल में नशा मुक्ति अस्पताल पर हवाई हमले के बाद अफगान तालिबान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हमले में 400 से ज्यादा मौतें होने के बाद अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने कहा है कि अब बातचीत का कोई मतलब नहीं रह गया है, हम इस हमले का जवाब देंगे। तालिबान के शीर्ष अधिकारी सुहेल शाहीन ने पाकिस्तान के उन दावों को भी पूरी झूठा कहा है कि उसकी आर्मी ने अस्पताल नहीं बल्कि आतंकी ठिकाने पर बम गिराए हैं। अफगान तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तानी आर्मी ने अस्पताल में आम लोगों को निशाना बनाया है। इसमें 400 मौतें अब तक कंफर्म हो चुकी हैं और 250 से ज्यादा घायल हुए हैं। पाकिस्तानी की बमबारी में नशा मुक्ति अस्पताल तबाह हो गया है। अब इस्लामाबाद के साथ डिप्लोमेसी या बातचीत का नहीं होगी। हम इस हमले का बदला सैन्य तरीके से लेंगे।

ईरान के सबसे ताकवर इंसान अली लारीजानी पर किया हमला

रिपोर्ट

लारीजानी की मौत या घायल होने की स्थिति स्पष्ट नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। इजरायल की सेना ने दावा किया है कि उसने ईरान के सबसे ताकतवर इंसान अली लारीजानी को निशाना बनाकर हमला किया है। इजरायली सेना ने बताया कि रात को किए गए हवाई हमले में अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अली लारीजानी मारे गए हैं या घायल हैं। अली लारीजानी ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव हैं और खामेनेई के मारे जाने के बाद ईरान में सबसे ताकतवर बन गए हैं। वहीं एक अन्य इजरायली हमले में ईरान में फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद के नेता अकरम अल अजोउरी और अन्य शीर्ष कमांडरों को निशाना बनाया है। अली लारीजानी को ईरान का जॉन एफ केनेडी तक कहा जाता है। इस बीच इजरायल के दावे पर ईरान ने कहा है कि वह जल्द ही अली लारीजानी के बयान को जारी करेगा।

इजरायली सेना ने बताया कि बासिज यूनिट के कमांडर घोलमरेजा

सुलेमानी को बीती रात मार गिराया गया। सुलेमानी पर आरोप है कि उसने जनविद्रोह को बहुत क्रूर तरीके से कुचल दिया। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली सेना आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने भी इस हमले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि रात को हुए हमले में काफी महत्वपूर्ण लोगों को मारा गया है जिसका इस पूरे युद्ध और सेना के मिशन पर प्रभाव पड़ेगा। हालांकि उन्होंने अली लारीजानी का नाम नहीं लिया। उन्होंने इशारे में यह भी बताया कि इस्लामिक जिहाद के कमांडरों को भी निशाना बनाया गया है।

खामेनेई की मौत के बाद से ही अली लारीजानी के बारे में कहा जा रहा है कि वही इस लड़ाई को दिशा दे रहे हैं। इससे पहले अपने एक बयान में अली लारीजानी ने ट्रंप के तेहरान की विद्युत क्षमता खत्म करने वाले बयान पर तीखा पलटवार कध्यिा था। उन्होंने कहा था कि अंधेरे में अमेरिकी सैनिकों को पकड़ने का मौका मिलेगा। लारीजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, ट्रंप ने कहा है, हम एक घंटे में ईरान की बिजली की क्षमता खत्म कर सकते हैं, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया है। खैर, अगर वे ऐसा करते हैं, तो पूरा इलाका आधे घंटे से भी कम समय में अंधेरा हो जाएगा और अंधेरे में सुरक्षा के लिए भाग रहे अमेरिकी सैनिकों को पकड़ने का पूरा मौका मिलेगा।

इस बीच युद्धविराम की मांग वाली बात पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के बाद ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अब पड़ोसी देशों को नसीहत दी है। अराघची ने कहा कि ईरान पर हमले की इजाजत देने वाले पड़ोसी देश नरसंहार को बढ़ावा दे रहे हैं। इस नरसंहार में 200 से ज्यादा बच्चे शामिल हैं। सैकड़ों नागरिक मारे जा चुके हैं। अराघची ने कहा कि अमेरिका को हमलों में सहयोग करने वाले पड़ोसी देशों को इस मामले में जल्द से जल्द अपना रुख साफ करना चाहिए। इजरायल और अमेरिका की बमबारी में सैकड़ों ईरानी नागरिक मारे गए हैं, जिनमें 200 से ज्यादा बच्चे भी शामिल हैं।

ओली की पार्टी से जुड़े कॉलेज में जलाई गईं जिनपिंग की लिखी किताब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल के मोरंग इलाके में मनमोहन तकनीकी कॉलेज में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की लिखी हुई किताब द गवर्नेंस ऑफ चाइना की हजारों प्रतियां जलाए जाने से बवाल मच गया है। शनिवार रात को हुई इस घटना पर चीन ने बहुत कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। इस घटना पर चीन के नेपाल में दूतावास ने नेपाली विदेश मंत्रालय को एक जुबानी नोट भेजा है। साथ ही अनुरोध किया है कि इस घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि क्यों एक टेक्निकल कॉलेज के अंदर शी जिनपिंग की किताब को इतनी बड़ी संख्या में रखा गया था। स्ध्थानीय पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

नेपाल अखबार काठमांडू पोस्ट ने बताया कि एक वीडियो क्लिप वायरल हो रहा है जिसमें मनमोहन टेक्निकल कॉलेज के अंदर हजारों किताबें और दस्तावेज जलाए जा रहे हैं। इसमें चीनी राष्ट्रपति की किताब भी शामिल है। इसमें कुछ लो शी जिनपिंग की कध्तिाब को कैमरे पर भी दिखा रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय मोरंग जिले के अधिकारी ने कहा कि वह इस वीडियो को डिलिट करे क्योंकि यह नेपाल और चीन के बीच रिश्ते को नुकसान पहुंचा सकता है।

ईरान-अमेरिका में सीजफायर कराए भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हेलसिंकी। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा है कि दुनिया को पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को खत्म कराने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने खासतौर से भारत से अमेरिका–ईरान के बीच युद्धविराम के लिए ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हालिया समय में विदेश मंत्री जयशंकर की ईरानी नेताओं से बातचीत हुई है। ऐसे में मुझे लगता है कि भारत सच में इसमें शामिल हो सकता है तो यह काफी बेहतर होगा। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने इसी महीने भारत का दौरा किया था। स्टब नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग 2026 में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि ईरान और अमेरिका–इजरायल गठबंधन के बीच 28 फरवरी से चल रहे युद्ध को रोका जाना जरूरी है और इसमें भारत जैसे देशों की भूमिका अहम हो सकती है। ईरान में युद्ध से हो रही तबाही और सीजफायर की कोशिश के सवाल पर स्टब ने कहा, हमें युद्धविराम की जरूरत है।

अपने 87 नाविकों की मौत का बदला जरूर बदला लेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■आर–पार के मूड में ईरान, नेवी कमांडर ने खाई कसम

तेहरान। ईरानी नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल शहराम ईरानी ने अमेरिका के खिलाफ बड़ा कदम उठाने की कसम खाई है। उन्होंने कहा है कि ईरानी नौसेना अपने 87 नाविकों की मौत का बदला जरूर लेगी। यह हमला 4 मार्च को हुआ था, जब अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल में श्रीलंका के गल्ले तट के पास ईरानी नौसेना के जहाज प्ै क्मदं को डुबो दिया। इस घटना में कम से कम 87 ईरानी नाविक मारे गए, जबकि कुछ को बचाया गया।

ईरानी नौसेना का यह जहाज भारत के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेने के बाद वापस ईरान लौट रहा था। ईरानी राज्य मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक, रियर एडमिरल शहराम ईरानी ने मंगलवार को कहा, ष्हम दुश्मन के इस अपराध को कभी नहीं भूलेंगे और अपने शहीदों के खून का बदला जरूर लेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि दुश्मन को ऐसी जगह से घातक हमला किया जाएगा, जहां से वह उम्मीद भी नहीं करेगा।

ईरानी नौसेना प्रमुख ने आगे कहा, ष्आज हम अपने प्रियजनों के लिए शोक मना रहे हैं, लेकिन अल्लाह की मेहरबानी से हमने दुश्मन को घुटनों पर ला दिया है। उन्होंने इस घटना को नरसंहार करार दिया और कहा कि ईरान इस हमले का जवाब घातक हमलों से देगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव पहले से ही चरम पर है। यह घटना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार थी, जब अमेरिकी पनडुब्बी ने किसी दुश्मन जहाज को टॉरपीडो से डुबोया है।

आईआरआईएस डेना एक फ्रिगेट था, जो ईरानी नौसेना का महत्वपूर्ण हिस्सा था। जहाज पर सवार नाविक भारत में इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में शामिल होने के बाद वापस लौट रहे थे। हमले के बाद श्रीलंका की नौसेना ने बचाव अभियान चलाया, लेकिन अधिकांश नाविक जहाज के साथ ही डूब गए।

भारत-बांग्लादेश में पटरी पर लौटने लगे रिश्ते!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। भारत ने बांग्लादेश के साथ संबंधों को बेहतर करने की तरफ कदम बढ़ाया है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार के साथ मिलकर काम करने की दिल्ली की इच्छा को बताया है। वर्मा ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉक्टर खलीलुर्रहमान से मुलाकात की है। रहमान ने भी भारत के साथ एक प्रगतिशील और संतुलित साझेदारी बनाने की बांग्लादेश की ख्वाहिश को दोहराया है, जिससे दोनों देशों की जानता को फायदा मिल सके। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने एस जयशंकर की ओर से विदेश मंत्री खलीलुर्रहमान को नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा करने का निमंत्रण दिया है। हालांकि इसके लिए कोई तारीख तय नहीं की गई है।

Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

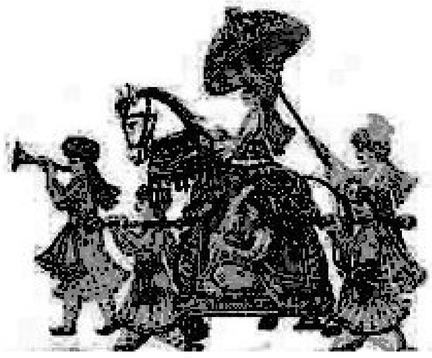

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

यूएसडीएमए की कार्यप्रणाली से रूबरू हुए श्रीलंका के अधिकारी

नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के तत्वावधान में श्रीलंका के 40 सिविल सेवा अधिकारी पहुंचे एसईओसी

भ्रमण

संवाददाता

देहरादून। नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के तत्वावधान में श्रीलंका के 40 सिविल सेवा के अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में आपदा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों, व्यवस्थाओं एवं नवाचारों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन) एवं डीआईजी राजकुमार नेगी ने प्रतिनिधिमंडल को यूएसडीएमए द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आपदा की स्थिति में किस प्रकार त्वरित राहत एवं बचाव कार्य धरातल पर संचालित किए जाते हैं। साथ ही राज्य एवं जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र की भूमिका, चेतावनी प्रसारण प्रणाली, अलर्ट जारी करने की प्रक्रिया तथा तकनीक के प्रभावी उपयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रतिनिधिमंडल को यह भी बताया गया कि उत्तराखण्ड में किस प्रकार आपदा जोखिम न्यूनीकरण में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है तथा सूचना का आदान–प्रदान अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक प्रभावी रूप से किस प्रकार किया जाता है। इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यप्रणाली, इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम की अवधारणा एवं संरचना, आपदा पूर्व तैयारी, आपदा के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया तथा आपदा उपरांत पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण की प्रक्रियाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। यूएसडीएमए तथा एनडीएमए किस प्रकार समन्वय करते हैं, इसके बारे में भी बताया गया।

इस अवसर पर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. रोहित थपलियाल ने मौसम पूर्वानुमान एवं बहु–स्तरीय चेतावनी प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि आईएमडी द्वारा मौसम संबंधी आंकड़े अत्याधुनिक वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से एकत्र किए जाते हैं, जिनमें उपग्रह आधारित अवलोकन प्रणाली, डॉप्लर वेदर रडार, स्वचालित मौसम केंद्र, स्वचालित वर्षामापी यंत्र, मौसम पूर्वानुमान मॉडल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का रियल–टाइम एकीकरण कर उच्च स्तरीय विश्लेषण किया जाता है, जिसके आधार पर विभिन्न स्तर के पूर्वानुमान तैयार किए जाते हैं। उन्होंने विशेष रूप से पर्वतीय राज्यों में लोकेशन–स्पेसिफिक पूर्वानुमानों के महत्व पर प्रकाश डाला, जहां मौसम की परिस्थितियां अत्यधिक परिवर्तनशील होती हैं।

वहीं यूएलएमएमसी के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार ने भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में राज्य द्वारा किए जा रहे वैज्ञानिक एवं संस्थागत प्रयासों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य में भूस्खलन एक प्रमुख आपदा है, जिसके प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है।

न्यूज डायरी

स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के अधिकारियों ने मंगलवार को हिमालय पुत्र स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी एमडीडीए कॉम्प्लेक्स परिसर में लगी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा है कि आज स्वर्गीय बहुगुणा जी हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्य हमेशा उनकी याद दिलाते रहेंगे। स्वर्गीय बहुगुणा जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके घर–घर स्वराज के सिद्धांत को अपनाए। स्वर्गीय बहुगुणा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार के पेट्रोलियम मंत्री भी रहे। स्वर्गीय बहुगुणा जी को पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में प्रभात डंडरियाल,आरिफ वारसी,प्रदीप कुकरेती,विपुल नौटियाल, पारस यादव, जय बिष्ट, दानिश नूर, गुलाम मुस्तफा, सुशील विरमानी ,नितिन राठौड़,संदीप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

राज्यपाल से मिले हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष

संवाददाता ऋषिकेश। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने मंगलवार को भेंट की। उन्होंने आगामी श्रीहेमकुंड साहिब यात्रा की तैयारियों एवं कपाट उद्घाटन तिथि के बारे में जानकारी भी राज्यपाल से साझा की। उन्होंने राज्यपाल को अवगत कराया कि इस वर्ष श्रीहेमकुंड साहिब गुरुद्वारे के पवित्र कपाट 23 मई 2026 को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ विधिवत रूप से खोल दिए जाएंगे। यात्रा का शुभारंभ 20 मई 2026 को ऋषिकेश से 'पंज प्यारों' की अगुवाई में प्रथम जत्थे की रवानगी के साथ किया जाएगा। राज्यपाल ने यात्रा की तैयारियों, व्यवस्थाओं तथा यात्रा मार्गों पर किए गए अवस्थापना विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

एचडीएफसी बैंक ने बरेली में परिवर्तन स्किलिंग सेंटर शुरू किया

संवाददाता देहरादून । भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने स्माइल फाउंडेशन के सहयोग से अपने सीएसआर कार्यक्रम परिवर्तन के तहत उत्तर प्रदेश के बरेली में अपने श्परिवर्तन स्किलिंग सेंटरश को शुरू करने की घोषणा की है। यह स्किलिंग सेंटर 30 महीनों की अवधि में वंचित समुदायों के 850 युवाओं को ट्रेनिंग देगा, जिसमें बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफएसआई) और रिटेल सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस पहल को स्माइल फाउंडेशन के स्किलिंग और रोजगार क्षमताश कार्यक्रम के तहत लागू किया जाएगा।

80 हजार की रिश्वत लेते जेई रंगे हाथ गिरफ्तार

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड विजिलेंस ने मंगलवार को ऊर्जा निगम के एक अवर अभियंता (जेई) को 80,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पथरीबाग स्थित विद्युत सब स्टेशन पर तैनात था। आरोपी जेई एक नए खरीदे गए अपार्टमेंट में बिजली का कनेक्शन देने और विद्युत लोड बढ़ाने की एवज में इस मोटी रकम की मांग कर रहा था। देहराखास में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के नाम पर 11 फ्लैट का अपार्टमेंट खरीदा है। इस नए अपार्टमेंट में पत्नी के नाम से बिजली का नया कनेक्शन लेने और जरूरत के हिसाब से विद्युत भार बढ़ाने के लिए उसने आवेदन किया था।

आरोप है कि नया ट्रांसफार्मर न लगाने और ऐसे ही लोड बढ़ाने के लिए पथरी बाग स्थित 33/11 केवी बिजली घर जेई ने रिश्वत मांगी। जेई अतुल कुमार निवासी इंद्रेशनगर, देहरादून ने इसके एवज में 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। बिना पैसे दिए काम अटकाए रखा। शिकायत पर विजिलेंस टीम देहरादून ने पहले मामले की गोपनीय जांच की। जब प्रथम दृष्टया रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हो गई तो आरोपी जेई को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। शिकायतकर्ता पैसे लेकर जेई अतुल कुमार के पास उनके कार्यालय पहुंचा। जैसे ही जेई ने शिकायतकर्ता से 80,000 रुपये की रिश्वत हाथ में ली तो सादे कपड़ों में वहां पहले से मुस्तैद विजिलेंस की टीम ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया। टीम आरोपी जेई को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। भ्रष्टाचार निवारण अधि ानियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अब आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है।

गंगा तट पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने गंगा में लगायी डुबकी

संवाददाता ऋषिकेश। प्रसिद्ध अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने मंगलवार को पुनः परमार्थ निकेतन में आगमन कर आध्यात्मिक शांति और दिव्यता का अनुभव किया। पावन गंगा तट पर, पूज्य साध्वी भगवती सरस्वती जी के सान्निध्य में भूमि पेडनेकर ने गंगा स्नान कर आत्मिक शुद्धि और आंतरिक शांति की अनुभूति के एक अद्भुत क्षणों का आनंद लिया। गंगा की निर्मल धाराओं में डुबकी लगाकर संतोष और सुकून का पाया। भूमि पेडनेकर जी ने गंगा तट की दिव्यता और शांति को अनुभव करते हुए कहा कि "यहाँ आकर ऐसा लगता है मानो समय थम गया हो और मन को एक नई ऊर्जा मिल रही हो।" उन्होंने साझा किया कि परमार्थ निकेतन का वातावरण, गंगा की कलकल ध्वनि और पूज्य स्वामीजी व साध्वी जी का पावन सान्निध्य मन को गहराई से स्पर्श करता है।

सभी 168 विद्यालयों में पंहुचे स्मार्ट टीवी, स्मार्ट टीवी इंस्टालेशन कार्य प्रारंभ

संवाददाता

■ डिजिटल शिक्षा की दिशा में जिला प्रशासन की ऐतिहासिक पहल

देहरादून। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जिलाधिकारी सविन बंसल की विशेष पहल एवं उनके व्यक्तिगत निर्देशन में जनपद देहरादून के राजकीय संचालित माध्यमिक विद्यालयों में "प्रोजेक्ट उत्कर्ष" के अंतर्गत डिजिटल एवं उन्नत शिक्षण सुविधाओं के विकास हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक, तकनीक–सक्षम एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है।

जिला प्रशासन द्वारा शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ी पहल करते हुए जनपद के 168 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट शिक्षण व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके अंतर्गत कुल 884 स्मार्ट टीवी स्थापित किए जा रहे हैं, जिनकी कुल लागत रू0 3.67 करोड़ है। सभी विद्यालयों में स्मार्ट टीवी की आपूर्ति पूर्ण हो चुकी है तथा इंस्टॉलेशन प्रक्रिया तेजी से जारी है।

स्मार्ट टीवी के माध्यम से कक्षाओं में ऑडियो–वीडियो कंटेंट, ई–लर्निंग मॉड्यूल एवं डिजिटल पाठ्यसामग्री का उपयोग किया जाएगा, जिससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी, रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनेगी। इस पहल से विद्यार्थियों को दिक्षा पोर्टल, पीएम ई–विद्या, शैक्षिक वीडियो एवं वर्चुअल कक्षाओं जैसी आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी अवध ारणात्मक समझ एवं शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा। परियोजना के अंतर्गत विद्यालयों की आवश्यकता के अनुसार 43 इंच एवं 55 इंच के स्मार्ट टीवी क्रय किए गए हैं। इस हेतु स्वीकृत धनराशि जिला खनन निधि से उपलब्ध कराई गई है।

इससे पूर्व भी जनपद के सभी सरकारी विद्यालयों को रू0 5 करोड़ के सीएसआर फंड से फर्नीचरयुक्त किया जा चुका है। स्मार्ट टीवी का क्रय जैम पोर्टल के माध्यम से ई–टेंडर प्रक्रिया द्वारा पूर्ण पारदर्शिता एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रणाली के तहत किया गया। निविदा प्रक्रिया में 12 फर्मों ने प्रतिभाग किया, जिनमें तकनीकी एवं वित्तीय मूल्यांकन के उपरांत पात्र न्यूनतम दर वाली फर्म का चयन किया गया।

फायर सीजन में आग बुझाने की पूरी तैयारी हैः वन मंत्री

संवाददाता हरिद्वार। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा है कि उत्तराखंड में फायर सीजन को लेकर इस बार व्यापक और तकनीकी स्तर पर तैयारियां की गई हैं। पहली बार जंगल की आग को आपदा घोषित कर जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन प्रणाली को सक्रिय किया गया है, जिससे त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि हर जिले में पीसीसीएफ रैंक के अफसर को नोडल अफसर बनाकर तैनात किया जा रहा है। इसके साथ ही वनकर्मियों को आग बुझाने के आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। फायर प्रूफ जैकेट, सूट और हेलमेट जैसी सुरक्षा सामग्री भी मुहैया कराई गई है, ताकि जोखिम कम किया जा सके। वन मंत्री ने कहा कि फायर वॉचरों के बीमा कवर को बढ़ाकर 10 लाख रुपये तक किया गया है।

किसी से किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धा की जरूरत नहीं है। आप स्वयं में जैसे हैं, एकदम सही हैं। खुद को स्वीकारिए। -अज्ञात

विचार-प्रवाह
देहरादून, बुधवार, 18 मार्च 2026
पेज थ्री
www.page3news.in

लोकतंत्र का आधार

लोकतंत्र केवल सरकार या अधिकारियों से नहीं चलता, इसमें जनता की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी होती है। लोकतंत्र का आधार केवल कानून नहीं बल्कि विश्वास होता है। जनता का विश्वास ही सरकार और प्रशासन को वैधता देता है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ता है तो व्यवस्था की नींव भी कमजोर हो जाती है।

डॉ. प्रियंका सौरभ।।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रशासनिक तंत्र में नैतिक मूल्यों को मजबूत किया जाए। कानून और नियम जरूरी हैं, लेकिन केवल नियमों के सहारे पूरी व्यवस्था नहीं चलती। अधिकारियों के भीतर सेवा की भावना, जिम्मेदारी का एहसास और सार्वजनिक जीवन की मर्यादा भी उतनी ही आवश्यक है। जब कोई व्यक्ति उच्च पद पर पहुँचता है तो समाज उससे सामान्य नागरिक की तुलना में अधिक अपेक्षाएँ रखता है। यह अपेक्षा केवल कार्यकुशलता की नहीं बल्कि चरित्र और आचरण की भी होती है।

मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों का दायित्व है कि वे तथ्यों को सामने लाएँ, लेकिन साथ ही जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करें। किसी भी खबर को सनसनी बनाने के बजाय उसके व्यापक सामाजिक और प्रशासनिक संदर्भ को समझना भी जरूरी है। मीडिया यदि संतुलित और तथ्यपूर्ण चर्चा को आगे बढ़ाएगा तो समाज में स्वस्थ बहस का माहौल बनेगा।

साथ ही नागरिक समाज की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। लोकतंत्र केवल सरकार या अधिकारियों से नहीं चलता इसमें जनता की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी होती है। यदि नागरिक जागरूक होंगे, सवाल पूछेंगे और पारदर्शिता की मांग करेंगे तो व्यवस्था स्वाभाविक रूप से अधिक उत्तरदायी बनेगी। सूचना का अधिकार जैसे कानून इसी सोच का परिणाम हैं, जिन्होंने शासन को अधिक खुला बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह भी विचार करने योग्य है कि आज के समय में सरकारी सेवाओं में काम करने वाले अधिकारियों के सामने भी कई चुनौतियाँ हैं। लगातार बढ़ती अपेक्षाएँ, राजनीतिक दबाव, प्रशासनिक जटिलताएँ और सामाजिक परिवर्तन इन सबके बीच काम करना आसान नहीं होता। यदि प्रशासन को मजबूत बनाना है तो उसे पारदर्शिता, प्रशिक्षण, तकनीकी सुधार और नैतिक नेतृत्वकृइन सभी पहलुओं पर एक साथ ध्यान देना होगा। डिजिटल युग में पारदर्शिता की संभावनाएँ और बढ़ गई हैं। यदि संपत्ति विवरण, प्रशासनिक निर्णय और वित्तीय प्रक्रियाएँ अधिक व्यवस्थित रूप से ऑनलाइन उपलब्ध हों तो भ्रष्टाचार की संभावनाएँ कम हो सकती हैं। कई देशों में यह व्यवस्था काफी प्रभावी साबित हुई है। भारत में भी इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र का आधार केवल कानून नहीं बल्कि विश्वास होता है। जनता का विश्वास ही सरकार और प्रशासन को वैधता देता है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ता है तो व्यवस्था की नींव भी कमजोर हो जाती है। इसलिए हर वह कदम जो पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करता है, वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करता है।

धर्म कर्मकांड

धर्म-दर्शन

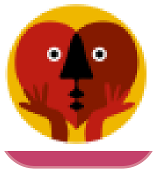

अशोक वोहरा। इसलिए उनकी साधना मानवता–केंद्रित है, लेकिन निर्भीक और निर्णायक है। गुरु के संघर्षों ने समाज की धमनियों में नया रक्त प्रवाहित किया। भय की जगह स्वाभिमान, मौन की जगह प्रतिकार, और बिखराव की जगह संगठन आया। धर्म कर्मकांड नहीं रहा, कर्तव्य बना। खालसा ने यह उद्‌घोष किया कि आस्था शर्म नहीं, शक्ति है और सत्य अकेला नहीं, वह संगठित होकर इतिहास रचता है। आज, जब पहचान छुपाने की सलाह दी जाती है, जब कायरता को बुद्धिमत्ता कहा जाता है, तब गुरु की वही गर्जना फिर सुनाई देती है "सवा लाख से एक लड़ाऊं" अर्थ साफ है डरो मत, झुको मत, बिको मत।

...शेष कल

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन

भारत ने संतुलित नीति अपनाई। शंघाई सहयोग संगठन में ईरान को पूर्ण सदस्यता, क्वाड में अमेरिका से साझेदारी। इजरायल से 2.5 बिलियन रक्षा सौदे ड्रोन, मिसाइल। लेकिन ईरान को कभी नहीं छोड़ा। 2025 ब्रिक्स शिखर में डी–डॉलराइजेशन और ऊर्जा सहयोग पर सहमति। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्रीय स्थिरता पर नजर रखने की बात कही। चाबहार परियोजना जारी। वहीं मोदी ऊर्जा परिवर्तन के नाम पर जिस तरह खनन बढ़ाया जा रहा है, उसका सबसे बड़ा बोझ आदिवासी और ग्रामीण समुदाय उठा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से भी वही देश सबसे अधिक प्रभावित हैं, जिन्होंने इसमें सबसे कम योगदान दिया है। ऐसे में वैश्विक मंचों पर न्यायपूर्ण हिस्सेदारी और जिम्मेदारी की माँग करना अनिवार्य है। सामाजिक स्तर पर भी बदलाव जरूरी है। शिक्षा प्रणाली में केवल तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि इतिहास, राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की समझ विकसित करनी होगी। मीडिया और सूचना तंत्र को सजग बनाना होगा, ताकि प्रोपेगैंडा और भ्रम से समाज को बचाया जा सके। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि स्थानीय समस्याएँ अक्सर वैश्विक संरचनाओं से जुड़ी होती हैं। अंततः, एशिया का भविष्य उसके अपने हाथों में है। यदि यह महाद्वीप लगातार टकराव और अस्थिरता में उलझा रहा, तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। लेकिन यदि एशिया एकजुट होकर अपने संसाधनों, अपनी नीतियों और अपने समाज पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो वैश्विक शक्ति संतुलन बदल सकता है। यह समय केवल प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और ठोस कदम उठाने का है।

प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भी विश्व का सबसे समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। फिर भी, विडंबना यह है कि यही एशिया बार–बार युद्धों, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है।

साजिशों का शिकार एशिया

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

एशिया का भू–राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप न केवल जनसंख्या और संस्कृति का केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से भी विश्व का सबसे समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। फिर भी, विडंबना यह है कि यही एशिया बार–बार युद्धों, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान–पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया–थाईलैंड के बीच सीमा संघर्ष, ये घटनाएँ मात्र संयोग नहीं लगतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियाँ अपने हित साधती हैं। एशिया जले, और विकसित देशों की तिजोरियाँ भरें यही इस राजनीति का नंगा सच है।

ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, लेकिन निर्णय–शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या सब कुछ होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और अस्थिरता में फँसे रहते हैं। इसका मूल कारण केवल आंतरिक कमजोरियाँ नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था है जो दशकों से इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए गढ़ी गई है। विकसित देशों ने औपनिवेशिक काल में जिस लूट की शुरुआत की थी, वही आज नए रूप में जारी है कभी मुक्त व्यापार के नाम पर, कभी लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में।

ईरान–पाकिस्तान तनाव इसका ताजा उदाहरण है। ईरान पर लंबे समय से लगे प्रतिबंधों ने उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है, जबकि पाकिस्तान लगातार विदेशी कर्ज और आर्थिक दबाव में जी रहा है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव केवल स्थानीय मुद्दा नहीं रह जाता। बलूचिस्तान जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने–सामने खड़ा कर सकती है। यदि यह तनाव बढ़ता है, तो पूरे दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में ऊर्जा मार्ग बाधित होंगे। तेल और गैस की कीमतें बढ़ेंगी, जिसका सीधा लाभ वैश्विक बाजारों पर नियंत्रण रखने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध भले एशिया में हो, लेकिन मुनाफा कहीं और दर्ज होगा। इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें अक्सर स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। कभी वे मध्यस्थ बनकर सामने आती हैं, तो कभी सैन्य सहायता और सुरक्षा के नाम पर अपने ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहाँ दशकों तक युद्ध चला, समाज टूट गया, और अंततः वही देश सबसे अधिक तबाह हुआ, जिसे "मदद" देने का दावा किया गया था। ऐसे ही हालात एशिया के अन्य हिस्सों में भी दोहराए जा रहे हैं। दक्षिण–पूर्व एशिया में कंबोडिया–थाईलैंड विवाद भी इसी रणनीति की कड़ी प्रतीत होता है। सीमा क्षेत्रों में मौजूद मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों को लेकर तनाव कोई नया नहीं, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें जिस तरह सैन्य रंग घुला है, वह चिंताजनक है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध माना जाता है, जिनकी मांग नई तकनीकों और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में तेजी से बढ़ रही है। जब दो पड़ोसी देश आपस में उलझते हैं, तो बाहरी शक्तियों के लिए हस्तक्षेप आसान हो जाता है। सैन्य सहायता, निवेश और कर्ज के बदले संसाधनों तक पहुँच बना ली जाती है। अंततः नुकसान स्थानीय जनता का होता है पर्यावरण विनाश, विस्थापन और आर्थिक असमानता के रूप में।

एशिया को अब किसी और की लड़ाई का मैदान बनने से इनकार करना होगा। संसाधन हमारे हैं, जनता हमारी है और भविष्य भी हमारा होना चाहिए। ग्लोबल साउथ को दया नहीं, न्याय चाहिए हस्तक्षेप नहीं, सम्मान चाहिए। यही संघर्ष की असली दिशा है, और यही एक न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की नींव बन सकती है।

सूडोकू बवाल-5182

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू बवाल -5180 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

अपना ब्लॉग

आंतरिक कमजोरियाँ भी कम जिम्मेदार नहीं

मोहन। बीसवीं सदी के मध्य से ही विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और तैयार माल के बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन खत्म हुआ, लेकिन आर्थिक संरचना नहीं बदली। आज भी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ कर्ज देती हैं, लेकिन बदले में ऐसी शर्तें थोपती हैं, जो इन देशों की नीतिगत स्वतंत्रता छीन लेती हैं। संसाधनों का निजीकरण, सब्सिडी में कटौती और आयात–निर्भरताये सब उसी जाल के हिस्से हैं। इस पूरी व्यवस्था में आंतरिक कमजोरियाँ भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। भ्रष्टाचार, सत्ता संघर्ष, जातीय और धार्मिक विभाजन इन देशों को भीतर से खोखला करते हैं। जब समाज बँटा होता है, तो बाहरी हस्तक्षेप और आसान हो जाता है। सत्ता में बैठे लोग अल्पकालिक लाभ के लिए दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से समझौता कर लेते हैं। जनता की आवाज दब जाती है, और निर्णय कुछ गिने–चुने वर्गों तक सीमित रह जाते हैं। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कटना नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर जुड़ना है।

तान्या मित्तल ने राम–सीता प्रिंट वाली साड़ी से पोंछा एकता कपूर का मुंह

बिग बॉस 19 की तान्या मित्तल इस बार अपनी साड़ी की वजह से लोगों के निशाने पर हैं। अक्सर साड़ी वाले अटायर में तारीफें बटोरने वालीं तान्या इस बार एक ऐसी साड़ी में दिखीं जिसपर भगवान राम और सीता की तस्वीर प्रिंट थी। यहां तक भी ठीक था, लेकिन एक इवेंट में तान्या अपनी इसी साड़ी के पल्लू से एकता कपूर का मुंह पोंछती दिखीं। ये देखते ही सोशल मीडिया पर लोग बौखला उठे हैं। इतना ही नहीं इस मामले में वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित भी हाथ साफ करने कूद पड़ी हैं।

बता दें कि बिग बॉस 19 के समय से ही तान्या मित्तल एकता कपूर के प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में रही हैं। पिछले कुछ समय से तान्या और एकता की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर भी खूब दिखी हैं जिसमें शबिग बॉसश की कंटेस्टेंट्स टीवी क्वीन को गिफ्ट–शिफ्ट देती दिखीं। अब सोशल मीडिया पर छाए एक वीडियो में तान्या एकता के साथ दिख रही हैं। केवल साथ ही नहीं दिख रहीं बल्कि साड़ी को फ्लॉन्ट करते हुए कुछ ऐसा कर डाला कि लोगों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है। तान्या मित्तल ने एकता कपूर का मुंह उसी साड़ी के पल्लू से पोछ दिया जिस पर भगवान राम और सीता की तस्वीर छपी नजर आ रही है। लोगों ने भड़कते हुए तान्या के इस हरकत पर कॉमेंट किया है। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, श्इन लोगों ने भगवान का भी मजाक बनाकर रख दिया। एक ने गुस्से में कहा– बाप रे, भगवान का चित्र बना हुआ है और इससे उसने पसीना पोंछा। एक और ने कहा– वैसे पल्लू पर श्री राम जी और सीता जी बनवाए हुए हैं और उन्हीं से उसका मुंह पूछ रहे हैं, कितनी बेवकूफी है। एक और ने कहा, श्अब नहीं हो रहा हमारे आराध्य का अपमान?

थलपति विजय और तृषा के रिश्ते पर मां उमा कृष्णन की मुहर?

थलपति विजय और तृषा कृष्णन का रिश्ता क्या कहलाता है, इसको लेकर अटकलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। विजय की पत्नी संगीता सोरनालिंगम एक्टर से तलाक की अर्जी दे चुकी हैं। बेटे जेसन संजय ने अपने नाम से पिता विजय का सरनेम हटा लिया है। इस बीच तृषा की मां उमा कृष्ष्णन ने कुछ ऐसा किया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर हायतौबा मच गई है। उमा कृष्णन ने थलपति और तृषा के एक फैन के बनाए रील वीडियो को लाइक किया है, जिसमें दावा किया गया था कि विजय और तृषा जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। जाहिर है, तृषा की मां उमा कृष्णन की एक हालिया सोशल मीडिया एक्टिविटी ने अफवाहों को और हवा दे दी है। विजय और तृषा के डेटिंग की अफवाहें बीते दिनों तब जंगल में आग की तरह फैलने लगीं, जब एक्टर की पत्नी ने तलाक की अर्जी दी और उसके ठीक बाद, विजय और तृषा एक शादी समारोह में एकसाथ नजर आए।

बैटल ऑफ गलवान का बदला नाम, अब मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस होगा

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवान का नाम बदल गया है। जी हां, साल 2020 में गलवान घाटी में चीन के साथ लड़ी गई खूनी लड़ाई पर बनी इस फिल्ध्म का नाम अब 'मातृभूमिरू मे वॉर रेस्ट इन पीस' होगा। यह घोषणा सोमवार, 16 मार्च को मेकर्स की ओर से की गई है। इसी के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया गया है, जिसमें सलमान खान का खतरनाक लुक नजर आ रहा है। हालांकि, इस नए पोस्ध्टर से रिलीज डेट गायब है, जिसके बाद उन कयासों को फिर से हवा लगी है कि शायद फिल्ध्म अगले महीने 17 अप्रैल 2026 को रिलीज नहीं होगी और पोस्टपोन होगी। अपूर्व लाखिया के डायरेक्शन में बनी साल 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बैटल ऑफ गलवान का नया नाम आधिकारिक तौर एक ऐसा संदेश देता है, जो आज की दुनिया के लिए बहुत जरूरी है। मेकर्स ने मातृभूमि को फिल्म का नया टाइटल बनाया है, जबकि साथ में टैगलाइन जोड़ा है– वॉर रेस्ट इन पीस, यानी युद्ध को शांति मिले। मेकर्स की ओर से जारी आधध्किारिक बयान में कहा गया है कि युद्ध को लेकर सलमान खान की एक बहुत बड़ी और गहरी सोच है, जो सिर्फ लड़ाई–झगड़े की बात न करके, पूरी दुनिया में शांति की उम्मीद को जगाती है।

अब सिंगर श्रेया भी लेंगी सिंगिंग से ब्रेक!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बॉलीवुड के फैंस के लिए एक और चौंकाने वाली खबर आई है। अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने के फैसले पर जहां अभी तक फैंस को यकीन नहीं हो रहा, वहीं अब सिंगर श्रेया घोषाल ने भी इस कदम की ओर इशारा किया है। 42 साल की श्रेया ने एक नए इंटरव्यू में इस बात पर जोर दिया कि लाइव सिंगिग में स्टेज पर लिप–सिंकिंग करना ऐसी चीज है, जिस पर वह कभी निर्भर नहीं रहना चाहेंगी। अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से ब्रेक लेने के फैसले पर फैंस के बीच चर्चा छिड़ने के बाद, अब श्रेया घोषाल ने कहा है कि जिस दिन उन्हें ऐसा कुछ करना पड़ा, वह गाना बंद कर देंगी। 5 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकीं श्रेया घोषाल ने कहा कि कभी–कभी उनका मन भी ब्रेक लेने का करता है।

कभी निर्भर नहीं रहना चाहेंगी

सात बार फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत चुकीं श्रेया घोषाल ने कहा कि लाइव परफॉर्मेंस देना एक कलाकार के तौर पर उनकी पहचान का अहम हिस्सा है। बैरी पियाश और श्मेरे ढोलनाश की सिंगर ने जोर देकर कहा कि स्टेज पर लिप–सिंकिंग करना ऐसी चीज है जिस पर वह कभी निर्भर नहीं रहना चाहेंगी। उन्होंने कहा, श्मुझे यह बहुत अजीब लगता है। जिस दिन मुझे ऐसा करना पड़ेगा, उस दिन मैं गाना बंद कर दूंगी।

जब तक आवाज साथ, रियाज जारी रखूंगी

श्रेया घोषाल ने आगे कहा कि जब तक उनकी आवाज उनका साथ देगी और वह अपना रियाज जारी रखेंगी। वह हमेशा स्टेज पर खड़े होकर दर्शकों के लिए लाइव गाना ही पसंद करेंगी।

कभी कभी मेरा भी मन करता है ब्रेक ले लूं

श्रेया घोषाल ने अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास के फैसले को बहादुरी भरा कदम बताया और तारीफ की। उन्होंने कहा, कभी–कभी मेरा भी ब्रेक लेने का मन करता है। उन्होंने यह फैसला बहुत बहादुरी से लिया। अरिजीत एक ऐसे इंसान हैं, जो संगीत से बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। वह दिल से एक संगीतकार हैं। वह यह नहीं सोचते कि वह संगीत क्यों बना रहे हैं या उन्हें इससे क्या मिलेगा। वह बस वही करते हैं जिससे उन्हें खुशी मिलती है।

श्रेया ने बताई अरिजीत सिंह की सबसे बड़ी खूबी

पश्चिम बंगला के मुर्शिदाबाद में पैदा हुईं श्रेया कहती हैं कि संगीत के प्रति अरिजीत सिंह की ईमानदारी ही उन वजहों में से एक है, जिस कारण दर्शक उनसे इतनी गहराई से जुड़ पाते हैं। उन्होंने कहा, उनके लिए, संगीत बाकी सब चीजों से बड़ा है और इसीलिए लोग उन्हें इतना ज्यादा प्यार करते हैं।

लाइव परफहर्मेंस पर श्रेया घोषाल के दो टूक बोल

श्रेया ने स्टेज पर लाइव परफॉर्मेंस देने वाले कलाकारों को उनकी जिम्मेदारी को लेकर भी सचेत किया। सिंगर ने कहा, श्एक एंटरटेनर के तौर पर हम अपनी निजी जिंदगी में जिन मुश्किलों से गुजर रहे होते हैं, वे स्टेज पर नहीं दिखनी चाहिए। लोग हमारे पास संगीत और प्रेरणा के लिए आते हैं। संगीत उन्हें सुकून देता है और उनकी परेशानियों से दूर हटने में उनकी मदद करता है। दर्शकों से मिलने वाला प्यार ही परफॉर्म करने के लिए प्रेरित करता है। बातचीत के आखिर में श्रेया घोषाल कहती हैं, जब आपका दिल खुश होता है, तो एनर्जी अपने आप आ जाती है। तालियां और दर्शकों के साथ बातचीत मेरे लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा जरिया बनी हुई हैं।

कादर खान और परेश रावल जैसे कलाकार परफेक्ट

हाल ही में डेविड धवन बेटे वरुण धवन के साथ कपिल शर्मा के पॉप्युलर शो श्द ग्रेट इंडियन कपिल शोश में पहुंचे। यहां उन्होंने दिग्गज कैरक्टर आर्टिस्ट को लेकर बातें कीं।

हाल ही में डेविड धवन और वरुण धवन कपिल शर्मा के पॉप्युलर शो श्द ग्रेट इंडियन कपिल शोश में पहुंचे। इस दौरान डेविड धवन ने अपनी पुरानी फिल्मों के अनुभवों को सबके साथ शेयर किया। उन्होंने खास तौर पर बॉलीवुड के सपोर्टिंग एक्टर्स की जमकर तारीफ की।

हीरो तो आते-जाते रहते हैं, कैरक्टर आर्टिस्ट शानदार

डेविड ने कहा कि कई बार ये कैरेक्टर आर्टिस्ट लीड हीरो से भी ज्यादा चमकते थे और फिल्म की सफलता में उनकी बहुत बड़ी भूमिका हुआ करती थी। डेविड ने मजाकिया अंदाज में कहा, श्हीरो तो आते–जाते रहते हैं। वे कई बार अपनी लाइनें भी भूल जाते हैं, लेकिन ये कैरेक्टर आर्टिस्ट सबसे ज्यादा शानदार हुआ करते थे। ये कभी गलती नहीं करते थे और हमेशा परफेक्ट रहते थे।

कादर खान, शक्ति कपूर, परेश रावल के लिए नाम

निर्देशक ने कुछ दिग्गज कलाकारों के नाम भी लिए। उन्होंने कादर खान, शक्ति कपूर, अनुपम खेर, सतीश कौशिक और परेश रावल जैसे दिग्गज और प्रतिभाशाली कलाकारों के नाम शामिल लिए। डेविड ने कहा कि ये सभी अविश्वसनीय प्रतिभा वाले थे। उनकी वजह से उनकी फिल्मों में कॉमेडी का स्तर बहुत ऊंचा हो जाता था।

सपोर्टिंग एक्टर्स के डायलह्ग्स और एक्टिंग

उन्होंने कहा कि इन कलाकारों ने छोटी–छोटी भूमिकाओं में भी इतना असर छोड़ा कि दर्शक उन्हें आज तक याद करते हैं। कई बार फिल्म की असली मस्ती इन्हीं सपोर्टिंग एक्टर्स के डायलॉग्स और एक्टिंग से आती थी।

वरुण के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े

रोमांटिक–कॉमेडी ड्रामा फिल्म में वरुण के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े लीड रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, फिल्म में मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, मौनी रॉय, और चंकी पांडे जैसे कई कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर रमेश तौरानी हैं और यह टिप्स फिल्म्स प्रेजेंट कर रही है। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट को लेकर काफी समय से बदलाव किए जा रहे हैं और अब यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म को 5 जून को रिलीज करने की घोषणा की थी, लेकिन कुछ वजह से इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया था।

Page Three

किन-किन चीजों से है किडनी कैंसर का हाई रिस्क?

जब गुर्दे के अंदर सेल्स असामान्य तरीके से विकसित होने लगती हैं तो किडनी कैंसर बन जाता है। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के डॉक्टर अरुण कुमार गोयल के मुताबिक, इस खतरनाक बीमारी के कुछ रिस्क फैक्टर्स को आप बदल नहीं सकते हैं, लेकिन जीवनशैली से जुड़े फैक्टर्स को जरूर कंट्रोल कर सकते हैं।

गुर्दे के कैंसर में किडनी के ट्यूबूल्स की सेल्स असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। इसे रीनल सेल कार्सिनोमा भी कहा जाता है। मेरे पास आने वाले अधिकतर मरीजों को इसका खतरा बढ़ाने वाले फैक्टर्स के बारे में पता नहीं होता और यही हाल देश के हर कोने का है। वैसे तो किडनी कैंसर के स्पष्ट कारण का अभी पता नहीं लग पाया है, लेकिन तंबाकू, फैमिली हिस्ट्री और खास दवाओं जैसी कुछ चीजों को इसका खतरा बढ़ाने वाला देखा गया है। इन फैक्टर्स को लाइफस्टाइल, मेडिकल और जेनेटिक इंफ्लूएंसेज के ग्रुप में बांटा गया है।

तंबाकू का इस्तेमाल: किडनी कैंसर का सबसे प्रमुख और साबित हो चुका रिस्क फैक्टर तंबाकू है। तंबाकू के अंदर मौजूद कार्सिनोजेन (कैंसर करने वाले केमिकल) खून में पहुंच जाते हैं। जब किडनी पेशाब बनाने के लिए खून को फिल्टर करती है तो यह टॉक्सिन गुर्दे के अंदर जम जाते हैं। लंबे समय तक इनसे संपर्क होने पर किडनी सेल्स का डीएनए डैमेज होने लगता है। आप जितने लंबे समय तक और ज्यादा स्मोकिंग व तंबाकू का उपयोग करेंगे, कैंसर का खतरा उतना ज्यादा बढ़ेगा।

मोटापा: एडीपोज टिश्यू (बॉडी फैट) इंसुलिन और इंसुलिन लाइक ग्रोफ फैक्टर –1 जैसे कुछ हॉर्मोन का उत्पादन ज्यादा करते हैं। यह हॉर्मोन सेल डिवीजन को बढ़ाने और सेल डेथ के नष्ट होने की प्रक्रिया को कम करने का काम करते हैं। फैट सेल्स एडीपोकाइन्स भी बनाती हैं, जो क्रोनिक और लो–ग्रेड इंफ्लामेशन बनाता है। इसके अलावा, मोटापे से डीएनए डैमेज करने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस भी बढ़ता है। यह हॉर्मोनल इम्बैलेंस और इंफ्लामेटरी माहौल कैंसर सेल्स के विकसित होने के लिए बढ़िया बुनियाद साबित होते हैं। मोटापे से हाइपरटेंशन भी होता है और यह भी कैंसर का खतरा बढ़ाता है।

हाइपरटेंशन: हाई ब्लड प्रेशर और किडनी कैंसर के बीच एक खास और गहरा संबंध देखा गया है, हालांकि इसके पीछे का बायोलॉजिकल मैकेनिजम समझना बाकी है। माना जाता है कि क्रोनिक हाइपरटेंशन से किडनी के नाजुक नेफ्रोन्स के अंदर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और क्रोनिक इंफ्लामेशन बढ़ती है। इसके नेगेटिव इफेक्ट से समय के साथ किडनी का डीएनए खराब हो जाता है।

किडनी कैंसर के अन्य फैक्टर्स

क्रोनिक किडनी डिजीज चाहे आप डायलिसिस पर ना चल रहे हों, लेकिन फिर भी क्रोनिक किडनी डिजीज इस कैंसर का खतरा बढ़ाती है। हाइपरटेंशन या डायबिटीज जिस तरह किडनी को डैमेज करती हैं, उसी तरह क्रोनिक इंफ्लामेशन और रिपिटेड सेल रिपेयर का माहौल तैयार करती हैं, जिससे कैंसरस म्यूटेशन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इस बात के सबूत मिल चुके हैं कि कुछ ओवर–द–काउंटर दर्द निवारक दवाओं का ज्यादा उपयोग करने से किडनी कैंसर का खतरा बढ़ता है। खासकर फेनासेटिन साल्ट वाली दवाएं ज्यादा बड़ा रिस्क फैक्टर हैं, जिन्हें कई देशों में बैन कर दिया गया है।

जरूरत से ज्यादा पसीना आने का कारण है ओवरएक्टिव स्वेट ग्लैंड्स

कई मरीज आते हैं, जिनकी हथेली–तलवे, बगल आदि शारीरिक हिस्सों में जरूरत से ज्यादा पसीना आता है। दरअसल, यह स्थिति स्वेट ग्लैंड के ओवरएक्टिव होने के कारण होती है। ढीले–हल्के कपड़े पहनने, एंटीपर्सपिरेंट का उपयोग, तनाव–डाइट को कंट्रोल करके इस कंडीशन को मैनेज किया जा सकता है। आमतौर पर यह स्थिति कोई खतरनाक जोखिम पैदा नहीं करती है, लेकिन व्यक्ति की असहजता, आत्मविश्वास में कमी और सामाजिक जीवन के प्रभावित होने के पीछे जिम्मेदार हो सकती है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हाइपरहाइड्रोसिसः ज्यादा पसीना आने की बीमारी

पसीना आना शरीर की नॉर्मल फंक्शनिंग है। शरीर का तापमान बढ़ने पर पसीना निकलकर बॉडी को ठंडा रखने में मदद मिलती है। यह काम पूरे शरीर में मौजूद स्वेट ग्लैंड करती हैं। जब यही स्वेट ग्लैंड्स जरूरत से ज्यादा एक्टिव हो जाती हैं तो व्यक्ति को सामान्य से काफी ज्यादा पसीना आता है। कई बार गर्म मौसम या शारीरिक गतिविधि किए बिना भी ज्यादा पसीना आ सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस स्थिति के दो प्रकार होते हैं– प्राइमरी हाइपरहाइड्रोसिस और सेकेंडरी हाइपरहाइड्रोसिस।

हाइपरहाइड्रोसिस क्यों होता है?

आनुवांशिक कारणः कई मामलों में इस समस्या के पीछे पारिवारिक इतिहास भी होता है। अगर माता–पिता या खानदान में किसी को यह समस्या है तो बच्चे को इसके होने की संभावना अधिक रहती है।
हॉर्मोनल चेंजः थायरॉइड, मेनोपॉज या हॉर्मोनल असंतुलन की वजह से भी शरीर में पसीना अधिक आने लगता है। यह कारण महिलाओं में ज्यादा आम होता है।
तनाव और घबराहटः चिंता, घबराहट या तनाव होने पर शरीर का नर्वस सिस्टम अधिक एक्टिव हो जाता है, जिसकी वजह से पसीने का उत्पादन बढ़ जाता है।
कुछ बीमारियांः डायबिटीज, मोटापा, इंफेक्शन या कुछ न्यूरोलॉजिकल कंडीशन के मरीजों को भी अत्यधिक पसीना आने की आशंका ज्यादा रहती है।
कुछ मेडिसिन के साइड इफेक्टः ज्यादा पसीना आने की समस्या कुछ दवाइयों के साइड इफेक्ट के रूप में भी हो सकती है।

हाइपरहाइड्रोसिस को कैसे पहचानें?

निम्नलिखित कुछ खासियतों से हाइपरहाइड्रोसिस को पहचाना जा सकता है जैसे हाथों की हथेली और पैरों के तलवों में बार–बार पसीना आना। अंडरआर्म्स और चेहरे पर ज्यादा पसीना आना। कपड़ों का पसीने से जल्दी भीग जाना। पसीने की वजह से स्किन में जलन या फंगल इंफेक्शन होना और सोशल या प्रोफेशनल हालात में असहज महसूस होना।

डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी

हाइपरहाइड्रोसिस सिर्फ मौसम या गर्मी से जुड़ी दिक्कत नहीं है। कई बार हॉर्मोनल बदलाव, स्ट्रेस या अन्य मेडिकल कंडीशन भी इसके पीछे हो सकती हैं। इसलिए, अगर अत्यधिक पसीना आने की समस्या लंबे समय से परेशान कर रही है तो डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी हो जाता है। डॉक्टर इसके पीछे के संभावित कारणों को पता करके राहत दिला सकता है।

हाइपरहाइड्रोसिस को मैनेज करने का तरीका

कुछ आसान उपायों को आजमाकर ज्यादा पसीना आने की समस्या को काफी हद तक कंट्रोल व मैनेज किया जा सकता है।
हल्के और ढीले कपड़े पहनेंः प्रभावित व्यक्तियों को कॉटन जैसे हल्के और ढीले कपड़े पहनने चाहिए। इनमें पसीना कम महसूस होता है और यह जल्दी सूख भी जाते हैं।
एंटीपर्सपिरेंट का उपयोग करेंः डॉक्टर से बात करके अपने लिए बढ़िया व सेफ एंटीपर्सपिरेंट या स्पेशल रोल–ऑन की जानकारी ले सकते हैं। इन्हें लगाने से पसीने का उत्पादन कंट्रोल करने में मदद मिलती है।
बैलेंस्ड डाइट लेंः बहुत ज्यादा मसाले वाला भोजन, कैफीन और एल्कोहॉल का सेवन करने से बचना चाहिए।
स्ट्रेस मैनेज करेंः तनाव की स्थिति में भी ज्यादा पसीना आता है। स्ट्रेस को मैनेज करने के लिए योग, मेडिटेशन और रेगुलर एक्सरसाइज की मदद लें।

लड़कियों के लिए एचपीवी वैक्सीन क्यों जरूरी, इसे किस उम्र में लगाएं

एचपीवी वैक्सीन शरीर को उन हाई रिस्क वायरस से बचाने में मदद करती है जो आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का कारण बन सकते हैं। यह वैक्सीन केवल सर्वाइकल कैंसर ही नहीं, बल्कि कुछ अन्य कैंसर के खतरे को भी कम कर सकती है। एचपीवी इन्फेक्शन के कारण एनल कैंसर, गले का कैंसर और जननांग से जुड़े कुछ कैंसर भी हो सकते हैं। इससे बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन लगाना फायदेमंद है। यह वैक्सीन प्री–कैंसरस लीजन यानी ऐसे शुरुआती बदलावों को भी रोकने में मदद करती है जो आगे चलकर कैंसर में बदल सकते हैं। सही उम्र में एचपीवी वैक्सीन लगाने से इसका पूरा लाभ उठाया जा सकता है। एचपीवी वैक्सीन लगाने की आदर्श उम्र 9 से 14 वर्ष के बीच मानी जाती है। इस उम्र में शरीर की इम्यून प्रतिक्रिया बेहतर होती है, जिससे वैक्सीन अधिक प्रभावी ढंग से काम करती है। हालांकि 15 से 45 वर्ष की उम्र तक भी डॉक्टर की सलाह से यह वैक्सीन लगवाई जा सकती है। टीकाकरण जितनी जल्दी किया जाए, उतना बेहतर होता है क्योंकि इससे संक्रमण के जोखिम से पहले ही सुरक्षा मिल जाती है। एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित मानी जाती है। दुनियाभर में लाखों लोगों ने यह वैक्सीन लगाई है। इसके साइड इफेक्ट आमतौर पर बहुत हल्के होते हैं, जैसे इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द, हल्का बुखार या थकान। ये लक्षण कुछ समय बाद अपने आप ठीक हो जाते हैं। एचपीवी वैक्सीन लड़कियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण टीकों में से एक है। यह सर्वाइकल कैंसर के प्रमुख कारण बनने वाले हाई रिस्क एचपीवी स्ट्रेन्स से सुरक्षा देती है।

आपका ऑफिस आपकी हड्डियों को कर रहा बीमार

आज के मॉर्डन वर्क कल्चर में ज्यादातर जॉब्स 8 से 10 घंटे की सीटिंग वाले होते हैं। इस दौरान उनका मूवमेंट काफी कम होता है। देर तक बैठे रहने वाली लाइफस्टाइल, खराब पोस्चर, फिजिकल एक्टिविटी की कमी और वर्कस्टेशन के गलत एर्गोनॉमिक्स मिलकर हड्डियों की मजबूती कम करते हैं और रीढ़ की हड्डी, गर्दन व जोड़ों पर लगातार दबाव बढ़ाते जाते हैं।आमतौर पर लोगों को हल्की अकड़न के साथ इसके लक्षण महसूस होते हैं, लेकिन उसे इग्नोर करना उन्हें भारी पड़ जाता है और लंबे समय तक स्थिति बने रहने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं। इस परिस्थिति में क्रोनिक मस्कुलोस्केलेटल प्रॉब्लम्स जन्म ले सकती हैं, जो फिजिकल और इमोशनल डिस्ट्रेस का कारण बनती हैं। कंप्यूटर या लैपटॉप स्क्रीन को देखते हुए लंबे समय तक काम करना या मोबाइल स्क्रीन टाइम हाई होना, गर्दन पर दबाव को बढ़ाता है। समय के साथ इससे सर्वाइकल स्पाइन खराब हो सकती है और गर्दन में दर्द,अकड़न के साथ ही सिरदर्द आपको परेशान कर सकते हैं। वीक कोर मसल्स और खराब पोस्चर इस स्थिति को और बिगाड़ते हैं।

आंतों में आराम कर रहा 1 बैक्टीरिया ही करता है किडनी इंफेक्शन

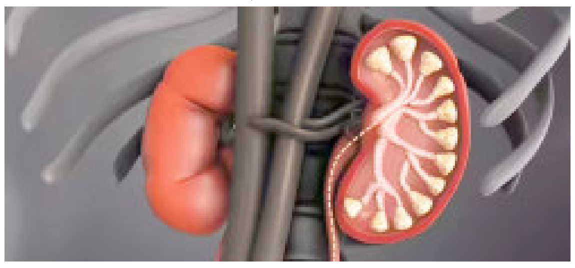

गुर्दों का डॉक्टर होने की वजह से मरीज मेरे पास पेशाब में जलन की शिकायत लेकर आते रहते हैं। यह समस्या किडनी इंफेक्शन के सबसे आम लक्षणों में से एक है। अधिकतर लोग इस बात से जागरूक नहीं हैं कि किडनी इंफेक्शन के खतरे को कम करके पेशाब में जलन या झाग जैसी दिक्कतों को दूर रखा जा सकता है। इसके लिए आपको किडनी इंफेक्शन के कारणों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। जिनसे बचने के लिए सही कदम उठाए जा सकें। बता दें कि अधिकतर मामलों में इस संक्रमण के पीछे आंतों में मौजूद ई.कोलाई बैक्टीरिया, किडनी स्टोन, खराब हाइजीन हैबिट जैसे कारण देखे जाते हैं। किडनी इंफेक्शन को मेडिकल भाषा में पायलोनेफ्राइटिस कहा जाता है। यह यूरीनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का एक गंभीर टाइप है। यह संक्रमण एक वक्त में आपकी एक या दोनों किडनी को प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर इसका कारण बैक्टीरिया होता है, जो आपके यूरीनरी ट्रैक्ट से ऊपर की तरफ ट्रैवल करके गुर्दों में पहुंच जाता है और फिर वहां इंफेक्शन फैलाता है। अगर वक्त पर इस बीमारी का इलाज ना किया जाए तो इससे किडनी टिश्यू डैमेज हो सकते हैं और पूरा स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

Page Three

शानदार फॉर्म में संजू

सीएसके के फैंस इस समय बेहद खुश हैं क्योंकि संजू सैमसन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हाल ही में संपन्न टी20 वर्ल्ड कप 2026 में संजू सैमसन ने भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वो टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। उन्होंने पांच मैचों में 80.25 की औसत और 199.37 के स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। संजू ने वर्चुअल क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल में मैच विजयी अर्धशतक जमाए। याद दिला दें कि संजू सैमसन की कोशिश चेन्नई सुपरकिंग्स को रिकॉर्ड छठी बार चैंपियन बनाने की होगी।

लगा कि टीम में मेरा समय पूरा हो गयाः संजू सैमसन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन आगामी आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। संजू को आईपीएल 2026 नीलामी से पहले सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड किया था। सैमसन ने अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के बारे में बड़ा खुलासा किया। बता दें कि संजू सैमसन ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2013 में राजस्थान रॉयल्स के साथ की। उन्होंने 11 सीजन रॉयल्स के साथ बिताए। 2018 से 2025 तक यानी आठ साल वो टीम का नियमित हिस्सा रहे। इस साल संजू रॉयल्स के खिलाफ खेलते हुए नजर आएंगे। संजू सैमसन का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी के साथ उनका समय पूरा हो चुका है और जब वो उनके खिलाफ मैच खेलेंगे तो भावनाएं हावी नहीं होने देंगे। संजू सैमसन ने कहा, यह पहली बार होगा जब मैं राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलूंगा। मगर मुझे नहीं लगता कि मैदान में मुझ पर भावनाएं हावी होंगी। मैंने राजस्थान रॉयल्स छोड़ी क्योंकि मुझे लगा कि समय पूरा हो चुका है। अब जब उनके खिलाफ खेलूंगा तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।

मासूमों को मारना युद्ध अपराध जैसा है

क्रिकेट

काबुल अस्पताल पर पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक पर भड़के अफगानी क्रिकेटर्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों में अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में भारी तबाही हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, इस हमले में कम से कम 400 लोगों की जान चली गई है और 250 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान की एक एयर स्ट्राइक एक अस्पताल पर गिरी, जिसमें निर्दोषों की जान चले गई। यह जानकारी तालीबान के प्रवक्ता ने दी है। इस दर्दनाक घटना पर अफगानिस्तानी क्रिकेटर्स ने नाराजगी जाहिर की है।

अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत के अनुसार, ये हमला बीती रात करीब 9 बजे एक नशा मुक्ति अस्पताल पर हुआ। 2,000 बिस्तरों वाले इस अस्पताल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान का कहना है कि उन्होंने किसी अस्पताल

को निशाना नहीं बनाया, बल्कि केवल सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं। इस दर्दनाक घटना के बाद अफगानिस्तान के दिग्गज क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। खासकर रमजान के पवित्र महीने में हुए इस हमले ने खिलाड़ियों को झकझोर कर रख दिया है।

अफगानी स्टार स्पिनर राशिद खान ने एक्स पर लिखा, नागरिकों के घरों, शिक्षण संस्थानों या अस्पतालों को निशाना बनाना, चाहे जानबूझकर हो या गलती से, एक युद्ध अपराध है। रमजान के महीने में इंसानी जानों की ऐसी अनदेखी बीमार कर देने वाली है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से इस मामले की जांच की मांग भी की है।

उनके अलावा पूर्व अफगानी कप्तान मोहम्मद नबी ने भावुक होते हुए कहा, आज रात काबुल के एक अस्पताल में उम्मीद की लौ बुझ गई। इलाज करा रहे युवाओं की पाकिस्तानी सैन्य शासन ने हत्या कर दी। माताओं ने गेट पर खड़े होकर अपने बेटों को पुकारा, लेकिन रमजान की 28वीं रात को उनकी जिंदगी खत्म कर दी गई।

काबुल अस्पताल में हुए इस हमले के बारे में जानकारी देते हुए इस्लामिक एमिरेट ऑफ अफगानिस्तान के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा कि पिछली रात हुई बमबारी में मृतकों की संख्या 400 हो गई और 250 लोग घायल हो गए हैं। फितरत ने एक्स पर लिखा कि पाकिस्तानी सैन्य शासन ने बीती शाम लगभग 9:00 बजे ओमिद नशा मुक्ति उपचार अस्पताल पर हवाई हमला किया, जो नशे की लत के इलाज के लिए समर्पित 2,000 बिस्तरों वाला एक बड़ा अस्पताल है।

एबी डिविलियर्स ने एमएस धोनी के देर में बैटिंग करने पर किए सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एमएस धोनी, जिनकी उम्र में फिलहाल 44 है और वो आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले कुछ आईपीएल एडिशन में धोनी की भूमिका सीमित रही है। जहां वो विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं, लेकिन उनका बैटिंग रोल कम हो गया है। वो बैटिंग करने के लिए भी निचले क्रम में उतरते हैं, जहां उन्हें सिर्फ एक या दो ओवर ही खेलने को मिलते हैं। अब आईपीएल के 19वें सीजन में भी धोनी को सीएसके की टीम की ओर से खेलते हुए देखने के लिए फैंस बेताब हैं।

इस बीच साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स, जिन्होंने काफी लंबे समय तक आरसीबी के लिए आईपीएल खेला, उन्होंने धोनी के देर में बैटिंग करने पर सवाल

■धोनी का हो सकता है आखिरी सीजन

किए हैं।

दरअसल, डिविलियर्स ने कहा, मुझे एमएस के लिए 8 या 9 नंबर पर बल्लेबाजी करने और वास्तव में पर्याप्त प्रदर्शन नहीं करने की कोई भूमिका नहीं दिखती। अगर वह 8 या 9वें नंबर पर बल्लेबाजी की भूमिका निभाएंगे और वास्तव में कप्तानी नहीं करेंगे, तो मुझे लगता है कि वह लगभग एक जगह बना रहे हैं और लगभग गलत कारणों से वहां हैं। और यह वह स्थिति नहीं है जिसके वह हकदार हैं। उन्हें (धोनी को) नंबर 6 पर खुद बल्लेबाजी करनी होगी। मैं कभी–कभी उन्हें 5 या 4 पर भी देखना चाहूंगा।

धोनी के पूर्व भारतीय और सीएसके टीम साथी रॉबिन उथप्पा का मानना है कि ये धोनी का आखिरी सीजन हो सकता है। वहीं, भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के पास अनुभवी विकेटकीपर–बल्लेबाज के अनुभव को देखकर और सीखकर आगे बढ़ने का एक सुनहरा मौका है। गौरतलब है कि आईपीएल की शुरुआत अब से कुछ ही दिनों में होने वाली है। एक बार फिर आईपीएल के लिए सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के फैंस एक्साइटेड हैं। 28 मार्च को आईपीएल के 19वें संस्करण का पहला मैच खेला जाएगा। पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलकर अपने सीजन का आगाज करेगी।

एबी डिविलियर्स ने एक बैटर को भी नहीं चुना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। इस लीग के पहले 20 मैचों के शेड्यूल का एलान हो चुका है और सभी खिलाड़ी अपनी–अपनी फ्रेंचाइजी के कैंप से भी जुड़ने लगे हैं। इस कड़ी में रोहित शर्मा, विराट कोहली ने भी अपनी टीम के साथ प्रैक्टिस शुरू कर दी हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले टी20 क्रिकेट में महानतम खिलाड़ी को लेकर दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स ने बड़ा बयान दिया है। डिविलियर्स का नाम भी टी20 के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शुमार हैं, लेकिन उन्होंने न तो खुद का, न ही विराट कोहली, न क्रिस गेल और न ही राशिद खान का नाम लिया। उन्होंने एक वीडियो में ऐसे एक भारतीय गेंदबाज को टी20 का ऑलटाइम ग्रेट प्लेयर का नाम लिया, जिसका सामने करने से अच्छे–अच्छे दिग्गजों की भी बोलती बंद हो जाती है। उन्होंने किसी और का नहीं बल्कि जसप्रीत बुमराह का नाम लिया।

न्यूज डायरी

आईपीएल के लिए 'हिटमैन' तैयार, प्रैक्टिस कैंप में बल्ले से किया धमाका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व भारतीय और मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस के कैंप को जॉइन कर लिया है, जिससे टीम के फैंस में उत्साह बढ़ गया है। बता दें कि रोहित शर्मा ने 6 बार आईपीएल टाइटल जीता है, जिसमें एक डेक्कन चार्जर्स और पांच बार मुंबई इघंडियंस को बतौर कप्तान ये ट्रॉफी जिताई है। वो इस टूर्नामेंट के इतिहास के संयुक्त रूप से सफलतम कप्तान है। पूर्व ओपनर ने साल 2011 में मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में डेब्यू किया था और 2013 में उन्हें कप्तान बना दिया गया था। हिटमैन ने मुंबई टीम को बतौर कप्तान पहले सीजन में ही चैंपियन बनाया और 11 साल तक उन्होंने 2024 सीजन तक एमआई की कप्तानी की। 2024 में उन्हें स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने बतौर कप्तान रिप्लेस किया। दरअसल, रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के लिए इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बैटर हैं और आईपीएल में 6000 से ज्यादा रन बनाने वाले टॉप–4 बैटर हैं। आईपीएल के 2013वें सीजन में उन्होंने बल्ले से कमाल का परफॉर्मेंस किया था, जिसमें उन्होंने 538 रन पूरे टूर्नामेंट में बनाए थे और एमआई को चौंपियन बनाया था। साल 2015 में रोहित को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया था और उस आईपीएल सीजन के फाइनल में मुंबई इंडियंस ने सीएसके को हराकर अपना दूसरा आईपीएल का खिताब जीता था। मुंबई की टीम ने 2017, 2019, 2020 में भी रोहित की कप्तानी में ये ट्रॉफी जीती हैं। एमआई ने आधिकारिक प्री–सीजन ट्रेनिंग शुरू की, जो आगामी 2026 अभियान के पहले सत्र को चिह्नित करता है।

हर्षित राणा आईपीएल के ज्यादातर मैच कर सकते हैं मिस, सामने आई बड़ी वजह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 28 मार्च से आईपीएल के 19वें सीजन का आगाज होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केकेआर के स्टार पेसर हर्षित राणा टूर्नामेंट के ज्यादातर मैच से बाहर रह सकते हैं। हाल ही में घुटने की सर्जरी के बाद हर्षित अभी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं, इसलिए वे आईपीएल के आने वाले सीजन का बड़ा हिस्सा मिस कर सकते हैं। बीसीसीआई ने अभी तक उनकी वापसी की कोई तय तारीख नहीं बताई है। दरअसल, स्टार पेसर हर्षित राणा को दाहिने घुटने में चोट लगी थी। ये चोट उन्हें भारत के टी20 विश्व कप के वॉर्म–अप मैच (साउथ अफ्रीका के खिलाफ) में लगी थी। उन्होंने उस मैच में सिर्फ एक ओवर फेंका था और फिर वो मैदान छोड़कर बाहर चले गए थे। बाद में उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। फिर उनकी जगह मोहम्मस सिराज को टीम में शामिल किया गया। इसके बाद 9 फरवरी को मुंबई में हर्षित की घुटने की सर्जरी हुई और उन्हें पूरी तरह ठीक होने में 2–3 महीने का समय लग सकता है। राणा को बीसीसीआई नमन अवॉर्ड सेरेमनी में बेस्ट इंटरनेशनल डेब्यूटेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, जहां उन्हें बैसाखियों के सहारे चलते हुए देखा गया, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर चिंता पैदा हो गई। केकेआर की टीम पहले से ही कई चोटों से जूझ रही हैं।

पत्नी देविशा के एक सवाल ने कैसे बदला सूर्यकुमार यादव का करियर?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में शमिस्टर 360 डिग्रीश के नाम से मशहूर सूर्याकुमार यादव आज जिस मुकाम पर हैं, वहां पहुंचने का सपना हर किसी खिलाड़ी का होता है। सूर्या की कप्तानी में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। ये लगातार दूसरी बार रहा जब भारत ने टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीती। भारत की इस ऐतिहासिक जीत को लेकर विश्व विजेता कप्तान सूर्या ने हाल ही में खुलासा किया कि कैसे उनकी पत्नी देविशा के एक चुभते हुए सवाल ने उनकी किस्मत और करियर की दिशा बदल दी। ये बात है साल 2018 की जब सूर्या घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अच्छा परफॉर्म कर रहे थे, लेकिन टीम इंडिया की जर्सी अभी भी दूर थी। उनकी पत्नी देविशा ने सूर्या के रूटीन को करीब से देखा और एक दिन बड़ी बेबाकी से पूछा– तुम्हारे साथ के कई खिलाड़ी इंडिया खेल रहे हैं, तुम्हारा क्या इरादा है? अगर इंडिया खेलना है, तो कैसे खेलोगे? यह कोई बहस नहीं थी, बल्कि आईना दिखाने वाली बातचीत थी।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्य तिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री धामी।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्य तिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्य तिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय बहुगुणा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी नेता एवं कुशल प्रशासक थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखा और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया।

सीएम ने बहुचर्चित फिल्म 'द केरला स्टोरी 2' देखी

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मॉल ऑफ देहरादून में बहुचर्चित फिल्म 'द केरला स्टोरी 2' देखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फिल्म समाज में घटित हो रही संवेदनशील घटनाओं को उजागर करते हुए जागरूकता का एक सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और जनसंख्या संतुलन को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य बना है जिसने समान नागरिक संहिता लागू कर एक ऐतिहासिक पहल की है, जो समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

अयोध्या से आई पवित्र ज्योति का भव्य स्वागत

संवाददाता देहरादून। के उपलक्ष्य में अयोध्या स्थित राम लला मंदिर से लाई गई पवित्र अखंड ज्योति मंगलवार को देहरादून पहुंची। जहां श्रद्धालुओं ने इसका भव्य स्वागत किया। यह ज्योति श्री पृथ्वीनाथ मंदिर में विधिवत स्थापित की गई। कार्यक्रम परम पूज्य रवींद्र पुरी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। यह पवित्र ज्योति लगभग 25 घंटे की यात्रा के बाद देहरादून पहुंची। निर्धारित समय से करीब तीन घंटे देरी से पहुंचने के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।सबसे पहले ज्योति को गांधी रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला में दर्शन के लिए रखा गया, जहां बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजा–अर्चना की।

श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को सभी सुविधाऐं मोहैय्या कराना प्रशासन जिम्मेदारी

निरीक्षण

■मुख्य सचिव ने किया भवाली–रातिघाट बाईपास, श्री कैंचीधाम मंदिर में निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। नैनीताल जिले के भ्रमण पर पहुंचे मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन ने जनपद नैनीताल के अंतर्गत कैंची धाम क्षेत्र में लगने वाले जाम की समस्या के स्थायी समाधान हेतु नव निर्मित भवाली बायपास, भवाली–रातिघाट बाईपास, श्री कैंचीधाम मंदिर में निर्माणाधीन विभिन्न निर्माण कार्यों सहित नैनीताल मालरोड में सड़क भू धसाव की रोकथाम हेतु कराए जा रहे सुरक्षात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

मुख्य सचिव ने अपने नैनीताल भ्रमण के दौरान नैनीताल जिले की प्रमुख परियोजना में शामिल कैंचीधाम बाईपास (सैनिटोरियम रातीघाट) सड़क मार्ग का भी स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के उन्होंने इस महत्वपूर्ण सड़क मार्ग में किए जा रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कराए जा रहे कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली।

मुख्य सचिव ने निर्माण कार्यों को तेजी से कराते हुए इस यात्रा सीजन जून मांह से पूर्व सभी कार्य पूर्ण करते हुए बाईपास मार्ग को संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध श्री कैंचीधाम मंदिर में लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, इस हेतु यातायात सुविधा भी महत्वपूर्ण है ताकि पहाड़ को जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिले तथा जाम से निजात मिले। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटकों, श्रद्धालुओं, आम नागरिकों को सभी आवश्यक सुविधाऐं मोहैय्या कराना प्रशासन की प्राथमिकता व जिम्मेदारी है।

मुख्य सचिव ने कहा कि बाबा नीम करोरी के दर्शन हेतु देश–विदेश से श्रद्धालु यहां वर्ष भर आते जाते हैं आने वाले श्रद्धालुओं को समुचित व्यवस्था उपलब्ध हो, साथ ही ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न ना हो इस लिए इस बाईपास का निर्माण प्राथमिकता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से विश्व प्रसिद्ध श्री कैंचीधाम में लगने वाले जाम से निजात मिलेगी।

इस दौरान लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता पी एस बृजवाल ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि भवाली सेनीटोरियम से रातीघाट तक 18.15 किलोमीटर बाईपास में से 8 किलोमीटर मार्ग का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें यातायात सुचारू है। इस कार्य हेतु 12 करोड़ रुपये विभाग को प्राप्त हुए थे। शेष भाग 10.15 किलोमीटर मार्ग में पहाड़ कटिंग कार्य हेतु शासन से 5 करोड़ 6 लाख रूपये की धनराशि प्राप्त हुई है, पहाड़ कटिंग का कार्य पूरा किया जा चुका है। उक्त मार्ग में वर्तमान में 9 करोड़ 81 लाख रूपये की धनराशि से कलमठ व सुरक्षा दीवारों का निर्माण एवं अन्य सुरक्षात्मक कार्य तेजी से किए जा रहे हैं।

मुख्य अभियंता ने अवगत कराया कि इस बाईपास को रातिघाट स्थित भवाली– अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने हेतु 74.15 किलोमीटर स्पान का मोटर पुल का भी निर्माण किया जाना है इस हेतु शासन से 9 करोड़ 63 रुपये की धनराशि प्राप्त हो हुई है जिससे पुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

मुख्य सचिव ने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से कैंचीधाम में लगने वाले जाम की स्थिति से भी निजात मिलेगी, साथ ही पहाड़ी जिलों को जाने वाले वाहनों हेतु यह वैकल्पिक मार्ग लाभप्रद होगा। इस दौरान मुख्य सचिव ने 10 करोड़ रुपये की धनराशि से नव निर्मित सैनिटोरियम से भवाली अल्मोड़ा मार्ग तक भवाली बायपास सड़क निर्माण कार्य व इसी मार्ग में शिप्रा नदी पर नव निर्मित 30 मीटर स्पान डबल लेन मोटर पुल का भी निरीक्षण किया गया। यह मार्ग यातायात हेतु सुचारू हो गया है।

भवाली–रातिघाट बाईपास को किया जाय यातायात सुचारु

मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि भवाली–रातिघाट बाईपास में कार्य तेजी से करते हुए इस मार्ग में पर्यटन सीजन से पूर्व यातायात सुचारू किया जाय। जबतक स्थाई मोटर पुल का निर्माण नहीं हो जाता है तबतक इसी सीजन में वैलिब्रिज स्थापित कर यातायात सुचारू कराया जाय।

खेल अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना करते है विकसित

विमोचन

■सीएम ने प्रकाशित स्मारिका "प्रयास बेहतर कल के लिए" का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब द्वारा प्रकाशित स्मारिका "प्रयास बेहतर कल के लिए" का विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्मारिका के प्रकाशन हेतु क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि सकारात्मक कार्य संस्कृति के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल मानव जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने सचिवालय कर्मियों से नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ होता है, जिसका सकारात्मक प्रभाव कार्यकुशलता पर भी पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने स्मारिका में प्रकाशित लेखों, उपलब्धियों एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह प्रकाशन आने वाले समय में और अधिक लोगों को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, सचिव विनय शंकर पांडेय, उत्तराखण्ड सचिवालय बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष हीरा सिंह बसेड़ा, प्रधान संपादक भूपेंद्र सिंह बसेड़ा,महासचिव प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष चंदन बिष्ट, संयुक्त सचिव पुष्कर सिंह नेगी, सदस्य चंद्रशेखर, रंजीत सिंह, दीपक बिष्ट, सुश्री विमला आर्या, सुश्री दीपा बोहरा और श्री संदीप कुमार मौजूद थे।

जिले में क्षेत्रवार क्यूआरटी टीम की गई गठित

संवाददाता देहरादून। एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने तथा शतप्रतिशत् होमडिलिविरी सुनिश्चित करवाने के जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों के अनुपालन में जिले में क्षेत्रवार क्यूआरटी टीम गठित की गई है। क्यूआरटी टीम आज क्षेत्रवार गैस एजेंसियों के निरीक्षण करते हुए एलपीजी गैस की मांग, आपूर्ति आदि सभी गतिविधियों देखी। डीएम के निर्देशों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी वित्त एंव राजस्व के के मिश्रा कन्ट्रोलरूम से जिले में गैस वितरण, आपूर्ति की मॉनिटिरिंग जनमानस की समस्या के निस्तारण हेतु निगरानी बनाए हुए है। जिला प्रशासन द्वारा प्रसारित 1077, 0135–2626066, 2726066 और व्हाट्सएप नंबर 7534826066 के माध्यम से 05 बजे तक कुल 35 शिकायतें एलपीजी गैस की आपूर्ति के सम्बन्ध में दर्ज हुई है, वही कंट्रोल रूम में मौजूद जिला खाद्य पूर्ति विभाग, देहरादून में एलपीजी गैस की आपूर्ति, सिलेंडर उपलब्धता या अन्य किसी प्रकार की समस्या को लेकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

भीम पेमेंट्स ऐप ने एमएस धोनी को बनाया ब्रांड एंबेसडर

संवाददाता देहरादून । एनबीएसएल ने विश्व कप विजेता और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को भीम पेमेंट्स ऐप , "भारत का अपना पेमेंट्स ऐप" का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की। यह साझेदारी दो ऐसे नामों को एक साथ लाती है जो भरोसे, निरंतरता और विश्वसनीयता के प्रतीक हैं ऐसे मूल्य जो पीढ़ियों और भौगोलिक सीमाओं से परे लोगों से जुड़ते हैं।

In a Digital World Why
To wait for a Howker
Visit Us at https://www.page3news.co.
Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code
Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।